



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—अ-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्रार्थिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 443] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 17, 1988/श्रावण 26, 1910
No. 443] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 17, 1988/SRAVANA 26, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त विभाग

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1988

अधिसूचनाएं

नं. 242/88—केन्द्रीय उत्पादशुल्क

मा. का. नि. 862 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पादशुल्क
और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 54 की उप-
धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो
जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पादशुल्क
टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपशीर्ष
सं. 2710.99 के अंतर्गत आने वाले धाई.पी. श्रेणी के द्रव पेट्रॉलिन
को उस पर उद्योगीय सम्पूर्ण उत्पादशुल्क में छूट देती है।

परन्तु यह सब जब कि ऐसे द्रव पेट्रॉलिन का ऐसे प्रतीति नैन में
जित पर, यथास्थिति, उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944

का 1) की धारा 3 के अधीन उद्योगीय उत्पादशुल्क का या सीमा
शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन
उद्योगीय अतिरिक्त शुल्क का पहले ही संदाय किया जा चुका हो।

[का. सं. 332/42/88-सी. वारस]

गौतम दे, सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 17th August, 1988

NOTIFICATIONS

No. 242/88—Central Excises

G.S.R. 862(E):—In exercise of the powers con-
ferred by sub-section (1) of section 5A of the Central
Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central
Government being satisfied that it is necessary in the

public interest so to do, hereby exempts liquid paraffin of I.P. grade falling under sub-heading No. 2710.99 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) from the whole of the duty of excise leviable thereon :

Provided that such liquid paraffin is manufactured from refrigeration oil on which duty of excise leviable under section 3 of the Central Excises & Salt Act, 1944 (1 of 1944) or the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be, has already been paid.

[F.No. 332/42/88-TRU]

GAUTAM RAY, Under Secy.

सं. 243/88—केन्द्रीय उत्पादशुल्क

सा.का.नि. 863 (घ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अतः यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 86 के अन्तर्गत आने वाले पदार्थों का उत्पात की इन्को हुई वस्तुओं को उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पादशुल्क से, छूट देता है :

परन्तु यह तब जबकि ऐसी उत्पात की इन्को हुई वस्तुएं केन्द्रीय सरकार के किसी कारखाने द्वारा उत्पादित पदार्थों के विनिर्माण के अनुक्रम में पैदा होती हैं और जो उक्त सरकार के किसी विभाग द्वारा उपयोग के लिए प्राप्त होती हैं।

[फा.सं. 156/13/87 -जी एक्स 4]

टी. जयरामन, धवर सचिव

No. 243/88—Central Excises

GSR 863(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts steel castings of wheels falling within Chapter 86 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule :

Provided that such steel castings arise during the course of manufacture of wheels produced by a factory belonging to the Central Government and intended for use by any Department of the said Government.

[F.No. 155/13/37-CX-4]

T. JAYARAMAN, Under Secy.